वन्यजीवों की सेवा में शनिधाम ट्रस्ट

श्री शनिधाम पीठाधीश्वर श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर परमहंस दाती जी महाराज की दया मानव मात्र पर ही नहीं, बल्कि बेजुबान वन्यजीवों पर भी बरसती है। राजस्थान में अकाल की विभीषका का सामना वहां के बाशिंदे ही नहीं, बल्कि जीव-जंतु भी कर रहे हैं। अकाल के चलते लोगों तक को पीने का पानी बमुश्किल नसीब हो रहा है, पशुओं का स्थिति क्या होगी, इसका अंदाजा आप सहज ही लगा सकते हैं। सरकार इस स्थिति से निपटने के लिए भरसक प्रयास कर रही है, फिर भी स्थिति गंभीर बनी हुई है। ऐसे में परमहंस दाती जी महाराज ने असहाय पशुओं की भूख-प्यास को बुझाने का बीड़ा उठाया है। उन्होंने राजस्थान के समर्थ लोगों से भी अपनी इस मुहिम से जुड़ने का आह्वान किया है।

महामंडलेश्वर परमहंस दाती जी महाराज ने कुंभलगढ़ अभयारण्य में पशुओं की भूख व प्यास मिटाने के माकुल इंतजाम किए हैं। उन्होंने जिला प्रमुख खुशवीरसिंह, मां श्रद्धा, लाल महाराज व अन्य शिष्यों के साथ अभयारण्य का दौरा भी किया। उन्होंने पानी की व्यवस्था के लिए टैंकर, बंदरों के लिए पांच सौ बोरी चने, सप्ताह में दो टन हरी ककड़ी, भालुओं के लिये पचास क्विगटल गुड़ की व्यवस्था की है। इसके अलावा 250 वाटर होलों को भरने के लिए प्रतिदिन 30 टैंकर की व्यवस्था भी की है। उन्होंने जिला प्रमुख खुशवीरसिंह को एक लाख रुपए भी दिए। सेवा कार्य लाल महाराज की देखरेख में चलेगा।

दो–दो लाख लीटर क्षमता के टांके भी बनेंगे

अभयारण्य क्षेत्र में जानवरों के पेयजल के स्थायी समाधान के लिए परमहंस दाती जी महाराज ने दो–दो लाख लीटर की क्षमता वाले तीन टांके बनवाने की घोषणा भी की है। वे सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा जानवरों के लिए खाद्य सामग्री सड़कों पर डालने से खासे परेशान नजर आए। उन्होंने कहा कि सड़क पर सामग्री डालने से जानवर मर जाते हैं। उन्होंने जानवरों के खाने-पीने की व्यवस्था वाटर होलों पर ही करवाने की बात कही। इस मौके पर महामंडलेश्वर दाती जी महाराज ने कहा कि क्षेत्रवासी निजी स्वार्थों के लिए वनों की अंधाधुंध कटाई करवा रहे हैं। इस कारण लगातार अकाल का दंश भोगना पड़ रहा है। उन्होंने वनकर्मियों को संकल्प दिलाया कि वे जंगल में कूट, कुल्हाड़ी व माचिस को ले जाने पर पाबंदी लगाएं। उन्होंने विभाग के अधिकारियों से आग्रह किया कि वे अभयारण्य के पास रहने वाले आदिवासियों की कार्यशाला रखें और उन्हें इसके लिए प्रेरित करें।

दाती महाराज की सेवाएं अद्वितीय : जोजावर

महामंडलेश्वर दाती जी महाराज की ओर से वन्य जीव अभ्यारण में वन्य जीवों के लिए खाने की वस्तुएं व पीने का पानी उपलब्ध करवाने के कार्य को जिला प्रमुख खुशवीरसिंह जोजावर ने अनुकरणीय बताया है। जिला प्रमुख ने बताया कि दाती महाराज की ओर से प्रतिदिन 30 टैंकर पानी के व पशु पक्षियों के भोजन के लिए 500 बोरी चने की व्यवस्था करवाई है, जो उनका वन्य जीवों के प्रति प्रेम को दर्शाता है। यह अनुकरणीय पहल है। उन्होंने बताया इससे वन्य क्षेत्रों से पलायन कर रहे वन्य जीवों का पलायन रुकेगा।